CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

+91 7428706078
info@cedsi.in

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

पीडीएफए ने तीन दिवसीय डेयरी एक्सपो की मेजबानी की

प्रोग्रेसिव डेयरी फार्मर्स एसोसिएशन (पीडीएफए) 3 फरवरी को जगराओं में अंतर्राष्ट्रीय डेयरी और कृषि एक्सपो 2024 लॉन्च करने के लिए तैयार है, जिसका उद्घाटन केंद्रीय मंत्री श्री परषोत्तम रूपाला करेंगे।

राज्य भर में डेयरी किसानों को आकर्षित करने पर ध्यान देने के साथ, तीन दिवसीय कार्यक्रम में नस्ल प्रतियोगिताएं, दूध देने की प्रतियोगिताएं और सेमिनार शामिल हैं। पीडीएफए के अध्यक्ष दलजीत सिंह ने शनिवार सुबह 11 बजे उद्घाटन की घोषणा की, जिसके बाद के दिनों में किसान पुरस्कार, प्रतियोगिताएं और पुरस्कार वितरण होंगे।

यह एक्सपो डेयरी और कृषि हितधारकों के लिए एक वार्षिक केंद्र के रूप में कार्य करता है, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी, उत्पादों का प्रदर्शन करता है और नेटवर्किंग के अवसरों को बढ़ावा देता है। उपस्थित लोग डेयरी और कृषि में नवीनतम रुझानों और व्यावसायिक संभावनाओं का पता लगा सकते हैं।

दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों को मिलेंगे किसान क्रेडिट कार्ड

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बैंक मित्र सहकारी समितियों के लिए माइक्रो एटीएम लागू करने और गुजरात के सभी जिलों में दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों को रुपे किसान क्रेडिट कार्ड जारी करने की योजना का खुलासा किया।

यह घोषणा संसद में सांसद परिमल नाथवानी के एक प्रश्न के उत्तर में हुई। पंचमहल और बनासकांठा जिलों में एक सफल पायलट परियोजना के बाद, जहां 1,723 माइक्रो एटीएम और 1,23,685 रुपे किसान क्रेडिट कार्ड वितरित किए गए, इन पहलों का उद्देश्य डेयरी और मत्स्य पालन क्षेत्रों में सहकारी समितियों के लिए वित्तीय समावेशन और व्यापार करने में आसानी को बढ़ाना है।

यह कदम सहकारी सदस्यों के लिए पारदर्शिता और तरलता का समर्थन करने के प्रयासों के अनुरूप है।

दूध के लिए दौड़ें, स्वास्थ्य के लिए दौड़ें मिनी मैराथन डेयरी जागरूकता को बढ़ावा देती है

डेयरी विकास विभाग रविवार को कन्नूर में डेयरी किसानों की बैठक के हिस्से के रूप में 'रन फॉर मिल्क, रन फॉर हेल्थ' नामक 3.5 किलोमीटर की मिनी मैराथन की मेजबानी करने के लिए तैयार है। पीरक्कमथादम से चेरुथाज़म किसान संगम कार्यालय तक शुरू होने वाली मैराथन का उद्देश्य दूध और इसके उत्पादों को दैनिक आहार में शामिल करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

गुणवत्ता-सुनिश्चित डेयरी उत्पादों को बढ़ावा देने की थीम के तहत आयोजित यह कार्यक्रम डेयरी किसानों की बैठकों, जागरूकता कार्यक्रमों और प्रेरक कक्षाओं सहित एक व्यापक अभियान का हिस्सा है।

विजिन डेयरी खपत, डेयरी उत्पादों और मानव स्वास्थ्य के बीच सहजीवी संबंध पर प्रकाश डालते हुए मैराथन को हरी झंडी दिखाने वाले हैं।

हिमाचल प्रदेश ने अत्याधुनिक स्वचालित दूध प्रसंस्करण संयंत्र के लिए एनडीडीबी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम में, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कांगड़ा के धगवार में एक स्वचालित दूध प्रसंस्करण संयंत्र की स्थापना के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। . 1.5 लाख लीटर प्रति दिन (एलएलडीपी) की प्रारंभिक क्षमता वाला यह संयंत्र, जिसे 3 एलएलपीडी तक बढ़ाया जा सकता है, पूरी तरह से स्वचालित होगा।

पहले चरण के लिए ₹225 करोड़ मूल्य की इस परियोजना का लक्ष्य विभिन्न प्रकार के डेयरी उत्पादों का उत्पादन करना है, जो सीधे दूध खरीदकर किसान कल्याण में योगदान करते हैं। दूध खरीद नेटवर्क को मजबूत करने, सहायक कार्यों के लिए अतिरिक्त ₹43 करोड़ आवंटित किए गए हैं।

यह पहल किसानों की आय बढ़ाने की सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जो हाल ही में दूध खरीद दर में ₹6 प्रति लीटर की बढ़ोतरी से स्पष्ट है। दूसरे चरण में दूध पाउडर, आइसक्रीम और विभिन्न प्रकार के पनीर पेश किए जाएंगे, जो हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

राज्य की लगभग 95% आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, इसलिए सबसे प्रगतिशील राज्य के रूप में हिमाचल के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर जोर देना महत्वपूर्ण माना जाता है।

सुथिरा: पशु आहार की बढ़ती कीमतों के बीच डेयरी किसानों के लिए एक स्थायी जीवन रेखा

केरल चारे घास की कमी से जूझ रहा है, कोल्लम में डेयरी किसानों को सुस्थिरा, केरल कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित एक संकर नेपियर घास में सांत्वना मिलती है। न्यूनतम रखरखाव की आवश्यकता वाली यह जलवायु-लचीली घास, पशु चारे की बढ़ती कीमतों का सामना कर रहे किसानों के लिए एक आदर्श विकल्प के रूप में उभरती है। कृषि विज्ञान केंद्र के सफल ऑन-फार्म परीक्षणों ने खेती को बढ़ावा दिया है, जिले के लगभग 50 किसानों ने इस टिकाऊ विकल्प को अपनाया है।

डेयरी किसान एस. सुजीश ने पशु आहार के उपयोग में 50% तक की उल्लेखनीय कमी बताते हुए फसल के लचीलेपन की पुष्टि की है। डब्ल्यूके कोल्लम द्वारा पशुपालन परीक्षणों से पता चला है कि प्रति दिन औसतन 1.5 लीटर दूध की वृद्धि हुई है, जिसमें क्रॉस-ब्रीड जर्सी गायों में वसा प्रतिशत मानक से अधिक है।

प्रोफेसर एस. पार्वती गर्मियों के दौरान सांद्र मात्रा को कम करने, अधिकतम उत्पादकता को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त हरे चारे के महत्व पर जोर देते हैं। सुस्थिरा, कृषि परीक्षणों में कोल और सीओ 2 जैसी ज्ञात किस्मों से बेहतर प्रदर्शन कर रही है, जो इसकी अपील को बढ़ाती है।

सीआर नीरजा, सहायक प्रोफेसर (कृषि विज्ञान), डब्ल्यूके, आर्थिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए बताते हैं कि मात्र 2.5 सेंट भूमि से दो गायों के लिए पर्याप्त हरा चारा प्राप्त किया जा सकता है। भोजन की कम लागत और बढ़ी हुई उत्पादकता के दोहरे लाभ के साथ, सुस्तीरा चुनौतीपूर्ण कृषि गतिशीलता के बीच केरल के डेयरी किसानों के लिए आशा की किरण के रूप में खड़ा है।

सरकार पूरे भारत में मोबाइल प्रौद्योगिकी का उपयोग करके 21वीं पशुधन जनगणना के लिए तैयार है

पशुपालन क्षेत्र में व्यापक डेटा संग्रह की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, केंद्रीय पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने 21वीं पशुधन जनगणना की तैयारी की घोषणा की। सितंबर और दिसंबर 2024 के बीच निर्धारित, यह राष्ट्रव्यापी जनगणना कुशल डेटा ट्रांसमिशन के लिए मोबाइल तकनीक का उपयोग करेगी।

पशुपालन और डेयरी सचिव अलका उपाध्याय की अध्यक्षता में एक संवेदीकरण बैठक में राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ अधिकारी और तकनीकी समिति के सदस्य शामिल हुए। सभी गांवों और शहरी वार्डों को कवर करने वाली जनगणना का उद्देश्य घरों, उद्यमों और गैर-घरेलू संस्थाओं के पास मौजूद जानवरों और पोल्ट्री पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों की गणना करना है।

21वीं पशुधन जनगणना, 1919 से हर पांच साल में आयोजित एक महत्वपूर्ण सांख्यिकीय उपक्रम, उम्र और लिंग सहित नस्ल-वार डेटा पर केंद्रित है। 2019 में आयोजित अंतिम जनगणना के साथ, यह विशाल डोर-टू-डोर फील्ड ऑपरेशन नीति निर्माण और पशुपालन क्षेत्र के कार्यक्रमों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मोबाइल प्रौद्योगिकी का उपयोग कुशल और सटीक डेटा संग्रह के लिए डिजिटल उपकरणों का लाभ उठाने की सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, जो अंततः देश की कुल पशुधन संपदा का आकलन करता है। यह जनगणना पशुपालन क्षेत्र में सूचित नीतिगत निर्णयों और पहलों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य करती है।

डेयरी सहकारी समितियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने आयकर में छूट दी

डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति में, केंद्र सरकार ने आयकर अधिनियम के तहत सहकारी समितियों को आयकर छूट और कटौती प्रदान करते हुए उपायों का एक व्यापक सेट पेश किया है। केंद्रीय मंत्री श्री परषोत्तम रूपाला द्वारा की गई घोषणा, डेयरी सहकारी समितियों के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण बदलावों पर जोर देती है।

संशोधनों के तहत, संघीय सहकारी समिति को दूध की आपूर्ति करने वाली प्राथमिक सहकारी समितियां अब आयकर अधिनियम की धारा 80पी के तहत अपने पूरे दूध से संबंधित मुनाफे के लिए कटौती का लाभ उठा सकती हैं। विशेष रूप से, ₹1 करोड़ से ₹10 करोड़ के बीच आय वाली सहकारी समितियों पर अधिभार 12% से घटाकर 7% कर दिया गया है। इन सोसायटियों के लिए वैकल्पिक न्यूनतम कर की दर को भी कंपनियों के अनुरूप कर दिया गया है, जो 18.5% से घटकर 15% हो गई है।

इसके अलावा, धारा 269T में संशोधन प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) और कृषि और ग्रामीण विकास बैंकों (PCARDB) को ₹2 लाख से कम नकद भुगतान के लिए दंडात्मक परिणामों से राहत देता है। इसके अतिरिक्त, धारा 194एन के तहत अन्य प्राप्तकर्ताओं के लिए ₹1 करोड़ की सीमा की तुलना में, सहकारी समितियों को अब नकद निकासी पर टीडीएस के लिए ₹3 करोड़ की बढ़ी हुई सीमा का लाभ मिलता है।

बीएसई ई-डेयरी बाजार

डेयरी खरीद में क्रांति लाएं: बीएसई के डेयरी रिवर्स ऑक्शन प्लेटफॉर्म के साथ बचत शुरू करें

बीएसई ई एग्रीकल्चरल मार्केट्स लिमिटेड (बीईएएम) दिसंबर 2020 में स्थापित बीएसई इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड (बीएसई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी) की सहायक कंपनी है। बीएसई अपने इलेक्ट्रॉनिक - स्पॉट मार्केट प्लेटफॉर्म के माध्यम से कृषि और गैर-कृषि वस्तुओं के व्यापार के लिए अपनी बाजार प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाता है।

BEAM ने एक मजबूत प्रौद्योगिकी मंच पेश किया है जो विभिन्न डेयरी कंपनियों के लिए विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं की पारदर्शी और निष्पक्ष खरीद सुनिश्चित करता है। ई-मार्केट प्लेटफ़ॉर्म आवश्यक पात्रता मानदंड, उत्पाद परिभाषाओं और अन्य आवश्यक व्यापार आवश्यकताओं पर विचार करके खरीद के लिए ऑनलाइन-वास्तविक समय की नीलामी का समर्थन करता है।

हमारा प्रस्ताव

- 01 E-Auction
- 02 Supplier Empanelment, Management & Rating
- 03 EMD Management
- 04 Customized MIS Reports & Data Analytics

प्रमुख उत्पाद श्रेणियाँ

Packaging Material
Milk Film, HIPS or PP cups, Aluminium Foil, Corrugated boxes, Crates, HDPE jar, CEKA pack, Ghee tin, Laminate carton etc.

Chemicals
Cleaning Chemicals: Caustic soda, Nitric acid, HCL etc.
Lab Chemicals and Equipments

Tranportation
SS Milk Tanker, Secondary Transportation

Fuel
Coal
Rice / Mustard husk Briquettes / Biofuel

लाभ

Price Discovery
Online auction triggers supplier competition in real time supplier prompted to give best quote

Cost Reduction
Higher competition translates to decrease in total procurement cost.

Transparency
Make process fair for all suppliers, Minimize manual interventions at buyer end.

Save Time
Saves time in collecting bid from multiple suppliers and negotiations.

Direct Saving in Procurement Cost
4-8%
Estimated saving of 4 - 8% in procurement cost depending on product category

अधिक जानकारी के लिए हमें इस पते पर मेल करें:commodity.desk@bsebeam.com

हम कौन हैं?

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर एग्रीकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएएसआई)" के तहत काम कर रहा है, यह एक स्वायत्त संगठन है जो "**एग्रीकल्चर स्किल कौंसिल ऑफ़ इंडिया (ASCI)**" के तत्वावधान में काम कर रहा है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के संगठित और असंगठित क्षेत्रों में लगे किसानों, वेतनभोगी श्रमिकों, स्व-रोज़गार पेशेवरों, विस्तार श्रमिकों आदि के कौशल और क्षमता निर्माण के लिए **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई**) के तहत काम करना।

सीईएएसआई कृषि के विभिन्न उप-क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों का एक शीर्ष संगठन है।

- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर हॉर्टिकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएचएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर फार्म मेकेनिज़शन स्किल्स इन इंडिया (सीईएफएमआई)

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

+91 7428706078

info@cedsi.in

www.cedsi.in Follow us on Facebook Cedsi Dairyskills Follow us on Twitter @CEDSI_India Follow us on Instagram @cedsi_india Follow us on linkedin Cedsi dairy COE

Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Join Our Membership Drive and Get Benefits of

- Platform to interact with other members in the sector
- Networking opportunities with corporate leaders and government authorities
- Special costs of training in Skill India Certified Programmes
- Access to our Journal and Publications
- Expert advice in day-to-day operations and management of livestock /farm productions
- Free registration on the job portal and regular updates on job vacancies in the sector
- Recognize your organization with CEDSI Yearly Awards and Recognition
- Chance to reach across the board through advertising in our press releases, news and articles
- Consultative and advisory services to help members
- Consulting and advisory services to help members
- Periodic e-newsletter for the latest news, govt. announcement and schemes in dairy sectors
- Updates on training programs of CEDSI and access to the training calendar

Who Can Become a Member -

Corporates/ Cooperatives | NGO's/CSR Foundations | Dairy Farmers | Students | Professional

www.cedsi.in

@cedsi_india

7972377422

info@cedsi.in

www.cedsi.in

Follow us on Facebook Cedsi Dairyskills

Follow us on Twitter @CEDSI_India

Follow us on Instagram @cedsi_india

Follow us on linkedin Cedsi dairy COE

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी